सांध्य दैनिक 4PM

हीरे की कठोरता उसकी उपयोगिता का हिस्सा है, लेकिन उसकी असली कीमत उस प्रकाश में है जो उससे हो कर चमकता है।

–बी.के. एस. आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 202 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 28 अगस्त, 2023

नीरज चोपड़ा ने फेंका 'स्वर्णिम'... 7 | पवार की गुगली: शिवसेना से सीख... 3 | बिना डरे वोट डालें, कोई रोके तो... 2

4PM के यूट्यूब चैनल ने फिर दिखाया जलवा

देश भर में दूसरे स्थान पर

» बड़े-बड़े नामों से आगे निकला 4PM

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनता तक सच को बेबाक तरीके से पहुंचाने वाला लोकप्रिय चैनल **4PM** ने सबको पीछे छोड़ते हुए व्यूज शेयर में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। चौबीस घंटे में ही **4PM** की टीम को दूसरी ख़ुशखबरी मिल गयी है।

डेटा विंगस के जुलाई महीने के यूट्यूब के आंकड़े आ गये। जन-जन की जुबान पर चढ़े प्रतिष्ठित चैनल 4PM को जुलाई माह में 72.3 मीलियन व्यू मिले हैं। अब हम सबका लोकप्रिय चैनल 4PM देश भर में दूसरे स्थान पर है।

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (July 2023)
Excl. mainstream media. View count as of Aug 26 for Jul uploaded videos only

databeings — Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	DB live	105.3	11%	16	The Jaipur Dialogues	17.2	2%
2	4PM	72.3	8%	17	Sakshi Joshi	15.3	2%
3	CAPITAL TV	62.5	7%	18	Harish Burnwal	15.2	2%
4	National Dastak	59.8	6%	19	The Manish Thakur Show	14.8	2%
5	Ajit Anjum	56.4	6%	20	Bharat Samachar	14.1	2%
6	Pyara Hindustan	56.4	6%	21	The Deshbhakt	13.3	1%
7	Abhisar Sharma	52.0	6%	22	newslaundry	12.4	1%
8	Ravish Kumar Official	46.3	5%	23	Sushant Sinha	9.0	1%
9	Dhruv Rathee	45.3	5%	24	Harsh V. Tripathi	8.3	1%
10	Ulta Chasma uc	44.9	5%	25	Sangam Talks	7.5	1%
11	Article19India	42.0	4%	26	Knocking News	7.4	1%
12	The News	42.0	4%	27	HDV News	5.4	1%
13	Punya Prasun Bajpai	40.2	4%	28	The Sham Sharma Show	4.8	1%
14	The Live Tv	29.6	3%	29	AKTK (Aaj Ki Taaza Khabar)	3.5	0.4%
15	Satya Hindi	29.3	3%	30	The Satya Show	3.3	0.4%
					Total	935.8	100%

कई बड़े चेहरों को छोड़ा पीछे

अपनी जिद सच की के स्लोगन को सत्य चरित्रार्थ करने में जुटे इस लोकप्रिय चैनल ने भारत के बड़े-बड़े यूट्यूब चैनल को जुलाई में पछाड़ दिया है। अपनी खबरों से सच दिखाने में अग्रणी 4PM ने व्यू में 72 लाख के आंकड़े का छू लिया है। इस चैनल से केवल डीबी लाइव ही आगे हैं जिसके 100 मिलीयन से ज्यादा व्यूज हैं। सबसे लोकप्रिय पत्रकार रविश कुमार आठवें स्थान पर है उनके 46 लाख व्यूज ही हैं। तीसरे स्थान पर कैपिटल टीवी है जिसके पास साढ़े बासठ लाख व्यू हैं। नेशनल दस्कत 59.6 व्यूज के साथ चौथे व अजित अजुंम 56. 4 लाख के साथ पांचवे स्थान पर हैं। वहीं कई लोकप्रिय व चैनल 4PM से बहुत पीछे हैं।

सब्सक्राइबर के साथ लगातार लहरा रहा परचम

सत्ता और देश की सच्चाई दिखाने वाला 4PM न्यूज चैनल आए दिन सफलता की नई बुलंदियों को छू रहा है। 4PM दिन पर दिन यूट्यूब की दुनिया में अपना एक अलग मुकाम स्थापित कर रहा है। ये सब संभव हो पा रहा है सिर्फ उसके सच दिखाने और आज के समय में सत्ता से सवाल करने की काबिलियत की वजह से। 4PM वो सच्ची खबर दिखाता है जो आपको ये कथित मेन स्ट्रीम मीडिया के चैनल नहीं दिखाएंगे। इसीलिए लोग इस चैनल को अधिक से अधिक देख रहे हैं और पसंद कर रहे हैं। वर्तमान समय में 4PM को देश के अन्य राजनीतिक खबरों से जुड़े चैनलों से ज्यादा देखा जा रहा है।

72 लाख से ज्यादा व्यूज मिले

सपने में भी नहीं सोचा इतने व्यूज मिलेंगे : संजय शर्मा

इस उपलब्धि से **4PM** के संपादक संजय शर्मा गदगद हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे चैनल के व्यूज कभी मेरे आदर्श रहे रवीश कुमार से भी ज्यादा हो जायेंगे। उन्होंने दर्शकों से कहा कि आपके प्यार से हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आम जन का यह प्यार मेरे लिये बहुत क़ीमती है और लोगों से अपील की कि इस प्यार को एसे ही बनाये रखियेगा।

वन मंत्री को क्यों पसंद आ रहा यह भ्रष्ट पर्यावरण अधिकारी

» अजय शर्मा पर आपराधिक वाद में भी एफआईआर

» अधिकारी को प्राप्त है राजनीतिक संरक्षण, तथ्यों को छुपाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भ्रष्टचार में लिप्त अधिकारी को ही विभाग का महत्वपूर्ण काम सौंपने की शिकायत उच्च अधिकारियों से की गई। सबसे गंभीर बात इसमें ये है इन तथ्यों को जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों व विभाग के मंत्री को भी मालूम थी। हरित प्रदेश पर्यावरण रक्षक समिति के अध्यक्ष सूरज सिंह ने इस मामले की जांच अपर मुख्य सचिव वन व पर्यावरण, जलवायु से करावने की मांग की है।

मामले के अनुसार उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड लखनऊ में सदस्य सचिव

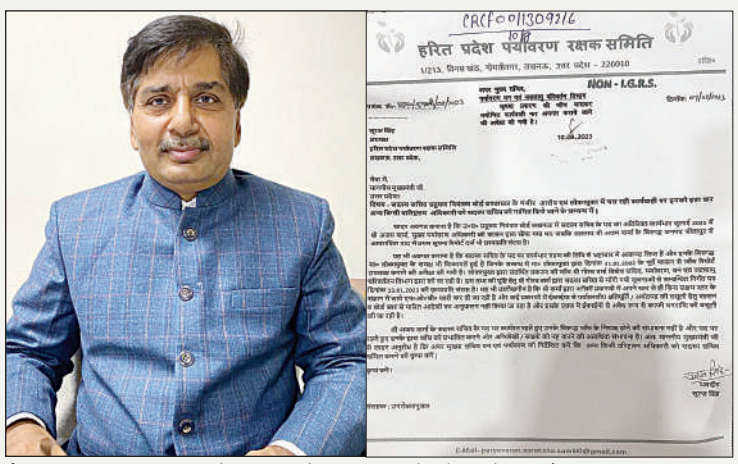

के पद का अतिरिक्त कार्यभार जुलाई 2021 में अजय शर्मा, मुख्य पर्यावरण अधिकारी को शासन द्वारा सौंपा गया था। उक्त अतिरिक्त कार्यभार वन एवं जलवायु परिर्वतन विभाग दारा सिंह चौहान द्वारा

तथ्यों को छुपाते हुए सौंपा गया था। जबकि तत्समय अजय शर्मा के विरूध जनपद सीतापुर में अपराधिक वाद में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज थी। सदस्य सचिव के पद पर कार्यभार ग्रहण की तिथी से श्री शर्मा मुख्य पर्यावरण अधिकारी

लोकआयुक्त की जांच चल रही

लोकआयुक्त द्वारा संघर्षित प्रकरण की जांच गौरव वर्मा विशेष सचिव प्रर्यावरण वन एवं जल वायु परिवर्तन विभाग द्वारा की जा रही है। इस तथ्य की पुष्टि हेतु गौरव वर्मा द्वारा सदस्य सचिव से मार्गी गई सूचनाओं से सबंधित निर्गत पत्र दिनांक 13/01/2023 की छायाप्रति संग्लन है। यह भी उल्लेखनिय है कि शर्मा द्वारा अनेकों प्रकरणों में अपने स्तर से ही बिना सक्षम स्तर के संज्ञान में लाए एनओसी जारी कर दी जा रही है। और कई प्रकरणों में ईकार्यो से प्रावणीयें क्षतिपूति/अर्थदण की वसूली हेतु शासन व बोर्ड स्तर से पारित आदेशों से अनुपालन नही किया जा रहा है। अजय शर्मा के सदस्य सचिव के पद पर कार्यरत रहते हुए उनके विरूध जांच के निष्पक्ष होने की संभावना नहीं है और पद पर रहते हुए उनके द्वारा जाचं को प्रभावित करने और अभिलेखों / साक्ष्य को नष्ट करने की अत्तयधिक संभावना है।

कोर्ट में आरोप हुए साबित

सदस्य/सचिव अजय शर्मा ने अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया था। कार्यभार ग्रहण करने में जय शर्मा ने यह तथ्य शासन से छुपाया था कि जिला सीतापुर में इनके उपर एक अपराधिक एफआईआर दर्ज है। जिला सीतापुर में इनके उपर एक अपराधिक एक एफइआर दर्ज ता 01/03/2023 को शासन को अवगत करा दिया गया है। उसके बाद भी उपरोक्त भ्रष्टाचारी को हटाया नही गया है, माननीय उच्च न्यायालय लखनऊ खण्डपीठ के द्वारा 23/08/2023 को न्यायालय न्याय मूर्ती अताउर रहमान मसूदी एवं न्याय मुर्ती ओम प्रकाश शुक्ला खण्डपीठ लखनऊ द्वारा एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सदस्य/सचिव अजय शर्मा को अननियंत्रित भ्रष्टाचारी बताकर अपर मुख्य सचिव को कार्यावाही का निर्देश दिया है, तथा दिनांक 11/09/2023 को याचिका को पुनः सुनवाई हेतु सूचीबध किया था।

वृत बरेली के पद का कार्यभार देखते हुए भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त है। और इनके विरूध लोकआयुक्त के समक्ष भी शिकायतें हुई है।

जिनके संबंध में लोकआयुक्त द्वारा दिनांक 31/01/2002 के पूर्व शासन से जांच रिपोर्ट उप्लब्ध कराने की अपेक्षा की गई है।

बिना डरे वोट डालें, कोई रोके तो आवाज उठाएं : सपा

घोसी उपचुनाव: कल ललकारेंगे अखिलेश

» सपा और 'इंडिया' के लिए घोसी की सीट बनी प्रतिष्ठा का सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी का उचुनाव जीतने के लिए सपा मुखिया कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। वह मंगलवार को जनता के बीच में रहकर भाजपा सरकार को घेरने का प्रयास करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अखिलेश यादव मंगलवार को घोसी पहुंचकर सभा करेंगे। सपा लगातार कह रही है कि उनके समर्थक मतदाताओं को पुलिस-प्रशासन की मदद से बूथ तक आने से रोका जाता है। इसलिए अखिलेश घोसी की धरती से आह्वान करेंगे कि बिना डरे मतदान करें।

अगर कहीं कोई रोके तो तत्काल सूचना दें, ताकि 'इंडिया' के नेता हर फोरम पर इस मुद्दे को तत्काल उठा सकें। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं में भी जोश भरेंगे कि यह सिर्फ एक सीट का उपचुनाव नहीं है, बल्कि इसका संदेश लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी दूर तक जाएगा। सपा और विपक्षी समावेशी गठबंधन 'इंडिया' के लिए घोसी की सीट अब प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। उसके नेता हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि यह चुनाव उनके पक्ष में रहे, ताकि इसके जरिये पूरे देश में गठबंधन की सफलता का संदेश दिया जा सके। यही वजह है कि सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 29 अगस्त को चुनाव प्रचार के लिए घोसी जाएंगे। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल और महासचिव शिवपाल सिंह यादव समेत सभी प्रमुख दिग्गज नेता वहां पहले से ही डेरा जमाए हैं। सपा के प्रत्याशी सुधाकर सिंह को कांग्रेस, रालोद और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का भी समर्थन मिल चुका है। ये सभी 'इंडिया' के घटक दल हैं। सभी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने के लिए सपा प्रत्याशी को जिताने का आह्वान किया है।

घर-घर वोट मांग रहे बड़े नेता

अगर चुनाव में जनता का फैसला सपा के पक्ष में रहा तो 'इंडिया' ने इसे बड़े पैमाने पर प्रचारित करने का फैसला भी किया है। जिससे कि पूरे देश को यह संदेश दिया जा सके कि यूपी में इस प्रयोग को जनता ने पसंद किया है। क्षेत्र में शिवपाल यादव कई दिनों से घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं। छोटी-छोटी सभाएं कर मतदाताओं से कह रहे हैं कि यह सीट उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से भी जुड़ गई है, इसलिए पार्टी प्रत्याशी को सफलता दिलाने में कोई कसर न छोड़ें। प्रो. रामगोपाल यादव भी स्थानीय कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें बूथ स्तर पर वोटों के मैनेजमेंट के गुर बता रहे हैं।

नेहरू वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करते थे : जयराम रमेश

» प्रधानमंत्री मोदी के पास बस बड़ी-बड़ी बातें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस का कहना है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करते थे। इसके साथ ही कांग्रेस ने पंडित नेहरू की आलोचना करने वालों पर भी निशाना साधा। दरअसल, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में पंडित नेहरू और अन्य कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों के योगदान को लेकर कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग चल रही है। विपक्षी दल अपने नेताओं के प्रयासों को उजागर कर रहा है, जबकि सत्तारूढ़ दल का दावा है कि 2014 के बाद इस क्षेत्र में बड़ी प्रगति हुई है। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा,नेहरू वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते थे। इसरो के निर्माण में उनके योगदान को जो नहीं पचा पा रहे हैं, वो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के शिलान्यास के दिन का उनका भाषण सुन लें। रमेश ने कार्यक्रम में नेहरू के भाषण का एक वीडियो भी साझा किया।

रमेश ने नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, वह बादलों से रडार को बचाने वाले विज्ञान के ज्ञाता की तरह सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें नहीं करते थे बल्कि बड़े-बड़े फैसले लेते थे।

झूठे वादे करके जनता से बीजेपी कर रही क्रूर मजाक : कमलनाथ

» पूछा- सस्ते सिलिंडर की झूठी घोषणा सिर्फ दो दिन के लिए क्यों की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों को तोहफा दिया। इसमें सावन के महीने में बहनों को 450 रुपए सिलेंडर देने की घोषणा भी की। इस पर अब सियासत तेज हो गई है। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने शिवराज पर क्रूर और सबसे बड़ा झूठ बोलने का आरोप लगाया है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि 30 अगस्त को रक्षाबंधन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन के महीने में 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा।

क्या यह घोषणा सिर्फ दो दिन के लिए की गई है। क्योंकि रक्षाबंधन तो सावन के महीने का अंतिम दिन होगा। अभी तक किसी को नहीं पता कि इन 450 रुपए के गैस सिलेंडर के लिए भी कौन पात्र होगा या कौन अपात्र होगा। इस तरह से देखा जाए तो रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार के संबंध में किए गए कार्यक्र म में शिवराज सिंह चौहान ने अपने जीवन का सबसे बड़ा और क्रूर झूठ बोल दिया है। कमलनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 100 यूनिट तक बिजली पर 100 रुपए बिल आने की बात अपने भाषण में कही है।

दिन में सपने न देखें अमित शाह: श्रीधर

» बीजेपी को तेलंगाना में मिलेंगी 5 से कम सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला है। बीआरएस नेता ने कहा कि अमित शाह दिन में सपने देख रहे हैं, दावा किया कि इस साल होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव में बीजेपी 5 से कम सीटें जीतेगी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना में एक रैली को संबोधित किया था, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को 4-जी पार्टी (चार पीढ़ियों वाली) और बीआरएस को 2जी (दो पीढ़ियों वाली पार्टी) बताया था, अमित शाह ने बीजेपी की जीत का दावा करते हुए कहा था कि इस बार तेलंगाना में न तो 2जी जीतेगी और न ही 4जी, इस बार यहां बीजेपी जीतेगी।

गृह मंत्री के इसी बयान पर बीआरएस नेता ने पलटवार किया। बीआरएस नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने कहा, किअमित शाह दिन में सपने देख रहे हैं कि तेलंगाना में बीजेपी सत्ता में आएगी। उन्हें सत्ता में आने के बारे में भूल जाना चाहिए। वह 5 से भी कम सीटें जीतेंगे, वे तेलंगाना में सिंगल नंबर भी पार नहीं कर पाएंग, वह इस भ्रम में हैं कि तेलंगाना के लोग उनका विश्वास करेंगे। अमित शाह के बीआरएस को 2जी पार्टी बताने पर बीआरएस नेता ने कहा, बीजेपी तेलंगाना के लोगों पर भरोसा क्यों नहीं करती? बीआरएस परिवार की पार्टी नहीं है. तेलंगाना हमारा परिवार है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीति आयोग की सिफारिशों के बावजूद बीजेपी ने कभी भी तेलंगाना की मदद नहीं की। 119 सदस्यों वाली तेलंगाना विधानसभा के लिए इस साल के आखिर में चुनाव होने वाले हैं। राज्य में भाजपा, सत्तारूढ़ बीआरएस और कांग्रेस के बीच त्रिस्तरीय मुकाबला होने जा रहा है। इसी महीने बीआरएस ने 115 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया था।

बेटे को सीएम बनाना चाहते हैं केसीआर : अमित शाह

अमित शाह ने रैली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर परिवारवाद का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, केसीआर चाहते हैं कि उनके बाद उनके बेटे केटीआर राज्य की कमान संभालें, लेकिन इस बार के चुनाव में ऐसा नहीं होगा। हम जानते हैं कि आप (केसीआर) केटीआर को राज्य का सीएम बनाना चाहते हैं, लेकिन इस बार न तो केसीआर और न ही केटीआर सीएम बनेंगे। इस बार बीजेपी से कोई सीएम बनेगा।

सभी को मिले राजनीति में भागेदारी : अजय

» यूपी में पिछड़ों एवं अति पिछड़ों को अपने पक्ष में करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश तैलिक महासंघ की ओर से आयोजित समारोह में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह समाज छोटे एवं मध्यम उद्योग की रीढ़ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस समाज को सम्मान दिलाने के साथ ही राजनीतिक भागीदारी भी दिलाई जाएगी। उत्तर प्रदेश तैलिक महासंघ की ओर से आयोजित समारोह में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह समाज छोटे एवं मध्यम उद्योग की रीढ़ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस समाज को सम्मान दिलाने के साथ ही राजनीतिक भागीदारी भी दिलाई जाएगी।

दरअसल, कांग्रेस ने जातियों की गोलबंदी बढ़ा दी है। पिछड़ों एवं अति पिछड़ों की अलग-अलग जातियों को उनके सामाजिक संगठनों के कार्यक्रमों के जरिए जोड़ने की रणनीति बनाई गई है। इसकी शुरुआत रविवार को तैलिक महासंघ करने का जा रहा है। कांग्रेस कार्यालय में तैलिक महासंघ की ओर से आभार समारोह का आयोजन होने जा रहा है। ये समारोह राजस्थान में कांग्रेस सरकार की ओर से तेली विकास बोर्ड गठन की वजह से किया जा रहा है। समारोह में महासंघ से जुड़े प्रदेशभर के लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम संयोजक एवं महासंघ के अध्यक्ष पूर्व विधायक राकेश राठौर ने बताया कि वह लंबे समय से हर राज्य में तेली घाणी विकास बोर्ड गठन करने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने उनकी मांग को स्वीकार कर लिया है, राजस्थान में बोर्ड का गठन हो गया है। अन्य राज्यों में जहां कांग्रेस सरकार हैं, वहां से भी आश्वासन मिला है। इसलिए आयोजन किया जा रहा है।

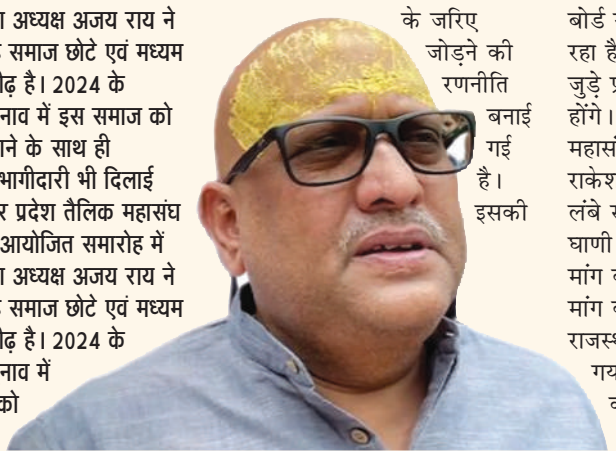

प्रवक्ता व मीडिया पैनलिस्ट में नए चेहरों को जगह

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी के प्रवक्ताओं की टीम में बदलाव किया है। उन्होंने 15 प्रवक्ता और 17 मीडिया पैनलिस्ट की सूची जारी कर दी है। इस सूची में नए चेहरों को तवज्जो दी गई है। कांग्रेस ने डॉ सीपी राय, डॉ अमरनाथ पासवान, पुनीत पाठक, प्रो. हिलाल अहमद नकवी, संजीव कुमार सिंह, अनिल यादव, कुंवर सिंह निषाद, डॉ. राहुल राजभर, डॉ. मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, उमाशंकर पांडेय, अंशु अवस्थी, डॉ. अलीमुल्लाह खान, प्रियंका गुप्ता, सुशील पासी और तनुज पुनिया को प्रवक्ता बनाया गया है। 17 मीडिया पैनलिस्ट होंगे -डॉ. कुलभूषण त्रिपाठी, रफत फातिमा, अभिमन्यु त्यागी, आस्था तिवारी, डॉ. सुधा मिश्रा, डॉ. अन्नू प्रसाद पासवान, सूची विश्वास, प्रदीप सिंह, डॉ. सुधांशु वाजपेयी, तमजीद अहमद, प्रेम नारायण पाल, सलमान इम्तियाज अंसारी, डॉ. राजकुमार मौर्या, सचिन रावत, गौरव जैन, रोहन सिंह और शैलेंद्र सिंह।

पवार की गुगली : शिवसेना से सीख या चाचा-भतीजे का मिलन

एमवीए व इंडिया में मची खलबली

» एनसीपी में टूट से इंकार के शरद पवार के बयानों के सियासी मायने

» फिर हो सकती है अजित की घर वापसी !

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति में कब कौन किसका हो जाए और कब कौन किधर चला जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। ये वो खेल है जहां दोस्त को दुश्मन बनते और दुश्मन को दोस्त बनते वक्त नहीं लगता। सियासत की आंखमिचौली का ये ही खेल आजकल महाराष्ट्र में भी खेला जा रहा है। क्योंकि शरद पवार और अजित पवार के बीच क्या चल रहा है, इससे शिवसेना और कांग्रेस दोनों में काफी बेचैनी मची हुई है। क्योंकि एनसीपी में दो फाड़ कर अपने चाचा से अलग गए अजित पवार ने महाराष्ट्र में भाजपा-शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम का पद हासिल कर लिया। जिसके बाद शरद पवार ने जहां अजित पवार को गद्दार और धोखेबाज कहा, तो वहीं अजित पवार ने भी कहा कि पवार साहेब की उम्र हो गई है।

अब उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। जिसके बाद ऐसे कयास लगाए जाने लगे कि अब चाचा-भतीजे की राहें पूरी तरह से अलग-अलग हैं। लेकिन पहले कुछ दिन पहले अजित पवार की शरद पवार से घंटों हुई मुलाकात ने कांग्रेस-शिवसेना उद्धव ठाकरे की चिंताएं बढ़ाईं। अब उसके बाद पिछले तीन दिनों से तो शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले जिस तरह से एनसीपी में किसी भी तरह की टूट से इंकार कर रहे हैं और साथ ही अजित पवार को अपनी पार्टी का ही नेता बता रहे हैं। ये कई बड़े इशारे कर रहा है। साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति में भी भूचाल आने का संदेश दे रहा है। दरअसल, पिछले दो दिनों से शरद पवार लगातार ये कह रहे हैं कि एनसीपी में कोई दो फाड़ नहीं होने जा रहा है। अजित पवार अब भी हमारी पार्टी के नेता हैं। मुझमें और उनमें कोई मतभेद न कभी थे और न अब हैं। अब ये बयान हर राजनीतिक दल और राजनीतिक विश्लेषक के लिए काफी अहम है और इसके मायने काफी कुछ निकल रहे हैं। इस बयान के मायने कुछ इस तरह भी निकाले जा रहे हैं कि शायद अजित पवार सहित एनसीपी के तमाम बगावती नेता एक बार फिर घर वापसी करेंगे यानी कि वापस शरद पवार से मिल जाएंगे। ऐसा इसलिए भी हो सकता है कि जिस मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए अजित भाजपा के पाले में गए थे, वह तो उन्हें मिल नहीं पाई। और आगे भी मिलने की उम्मीद काफी कम दिखाई दे रही है। क्योंकि देवेंद्र फडणवीस अभी जिंदा हैं। दूसरी तरफ भाजपा को भी शायद लग रहा होगा कि जल्दबाजी में उससे कुछ गलत हो गया है। भाजपा अच्छी तरह जानती है कि शरद पवार जब तक दूर बैठे हैं, वोट का कमाल उसके पक्ष में होना मुश्किल है। इसलिए जिस तरह सिर पर बैठाकर अजित पवार और अन्य को लाया गया था, अब उन्हें सिर से नीचे उतार दिया गया है। वहीं अजित पवार भी ये अच्छी तरह जानते हैं कि चाचा के साथ रहे और ठीक-ठाक सीटें जीत लीं, तो मुख्यमंत्री वे ही बनेंगे। भाजपा के पाले में तो एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति है। उनका नंबर आएगा भी या नहीं, इसका कोई भरोसा नहीं है। ऐसे में संभव है कि अजित का मन भी डोल रहा होगा। तभी तो शरद पवार और सुप्रिया सुले के अजित को अपना नेता बताने और एनसीपी में किसी भी तरह की टूट से इनकार करने वाले बयान के आने के बाद भी अजित की तरफ से कोई बयान नहीं आया।

शिवसेना की हालत से सीख ले रहे पवार

वहीं शरद पवार और सुप्रिया सुले के एनसीपी में टूट से इंकार और अजित को अपना नेता बताने के बयानों के पीछे की एक वजह ये भी हो सकती है कि शरद पवार एनसीपी का हाल शिवसेना वाला नहीं होने देना चाहते। यही वजह है कि बीते दिनों एकनाथ शिंदे के भाजपा के साथ जाने के बाद शिवसेना में जो उद्धव ठाकरे के साथ हुआ, उससे सीख लेकर शरद पवार एनसीपी के साथ वैसा नहीं होना देना चाहते। शरद पवार किसी कानूनी पचड़े में नहीं पड़ना चाहते। इसीलिए शरद पवार, पार्टी और चुनाव चिन्ह पर अपनी पकड़ बनाए रखने के किसी कानूनी मामले में उलझने के बजाय, मामले को अपने स्तर पर सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि इसी साल जुलाई में एनसीपी में दो गुट बन गए। एक गुट अजित पवार की अगुवाई में शिंदे-भाजपा की सरकार में शामिल हो गया, तो वहीं दूसरा गुट अभी भी शरद पवार के साथ है। नया गुट बनने के बाद ही अजित पवार कैंप ने 1 जुलाई को चुनाव आयोग गया और पार्टी के साथ-साथ चुनाव चिन्ह पर भी अपना अधिकार मांगा। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने पवार कैंप से जवाब मांगा। हालांकि अभी तक निर्वाचन आयोग को कोई जवाब नहीं मिला है।

कांग्रेस को अजित के वापसी की उम्मीद

शिवसेना (यूबीटी) जहां शरद पवार के बयानों से चिंतित नजर आ रही है, तो वहीं एमवीए का तीसरा घटक कांग्रेस पवार के इस तरह के बयानों से बेफिक्र नजर आ रही है। कांग्रेस की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि सीनियर पवार से मुलाकात के बाद उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शायद एनसीपी में लौटने की इच्छा जताई है। पटोले ने कहा कि शरद पवार एक वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। उनके बयानों से ऐसा लगता है कि वह अजित पवार का मन बदलने में सफल रहे हैं और वह जल्द ही अपनी पार्टी में लौट आएंगे।

शिवसेना (यूबीटी) ने बयानों पर जताई चिंता

हालांकि, शरद पवार और सुप्रिया सूले के इस तरह के बयानों से महाविकास अघाड़ी में टेंशन बढ़ गई है। शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे गुट) को जहां शरद पवार का यह रुख पसंद नहीं आ रहा है, तो वहीं कांग्रेस को उम्मीद है कि अजित पवार फिर एक बार शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी में लौट आएंगे। हालांकि, शरद पवार के इन बयानों ने इंडिया गठबंधन में भी चिंता बढ़ा दी है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि एनसीपी में दो फाड़ हो गया और अब दो धड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगर विभाजन नहीं हुआ है, तो सुनील तटकरे कौन हैं, जिन्हें विभाजन के बाद अजित गुट ने राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है? टूट कर बने धड़े ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में शरद पवार का नाम भी हटा दिया है। राउत ने कहा कि हमारा एमवीए गठबंधन शरद पवार की एनसीपी के साथ है उससे टूट कर बने धड़े के साथ नहीं है, जिसने ईडी के डर से भाजपा से हाथ मिला लिया है। उन्होंने दावा किया कि शरद पवार कभी भी अपने सिद्धांतों से भटक कर भाजपा के सहयोगी नहीं बनेंगे। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि शरद पवार मुंबई में होने वाली विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलॉपमेंटल इन्क्ल्युसिव एलायंस) की बैठक को लेकर लगातार एमवीए नेताओं के संपर्क में हैं।

इंडिया में भी बढ़ी टेंशन

महाराष्ट्र में भले कांग्रेस खुश हो लेकिन शरद पवार के इस तरह के बयानों से एमवीए के साथ-साथ विपक्षी दलों के संगठन इंडिया में भी खलबली मची हुई है। क्योंकि लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया के बैनर तले आए सभी दल चुनाव से पहले ही अलग-अलग राग अलाप रहे हैं। महाराष्ट्र में जहां शरद पवार के बयानों को लेकर इंडिया गठबंधन चिंतित है, तो वहीं दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच का झगड़ा अभी भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली में कांग्रेस और आप के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर रार मची हुई है। क्योंकि एक ओर जहां कांग्रेस दिल्ली की सभी सातों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की बात कह रही है, तो वहीं आम आदमी पार्टी कांग्रेस की इस नीति से बिल्कुल इत्तेफाक नहीं रखती। और कहीं न कहीं उसे रखना भी नहीं चाहिए। क्योंकि जिस दिल्ली में वो पिछली दो बार से सत्ता पर काबिज है, वहां उसे एक भी सीट न मिलना, नाइंसाफी ही है। तो वहीं दिल्ली से इतर पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस और टीएमसी में रार देखने को मिल जाती है। क्योंकि बैठक के वक्त तो कांग्रेस और टीएमसी की भाषा एक जैसी होती है, लेकिन बैठक खत्म होते ही टीएमसी के नेता कांग्रेस पर और कांग्रेसी टीएमसी नेताओं पर ही हमले बोलने लगते हैं। ऐसे में अब शरद पवार के इस तरह के बयान इंडिया में और भी हलचल मचा रहे हैं। फिलहाल देखना है कि 1 सितंबर को मुंबई में होनी वाली इंडिया की तीसरी बैठक क्या होता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शिक्षक की गरिमा शर्मसार

दरअसल, यूपी के मुजफ्फरनगर के प्राइवेट स्कूल में टीचर के सामने बच्चे की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। होमवर्क नहीं करने पर बच्चे को ऐसी सजा का हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। मामले की जांच के बाद परिणाम भले ही जो भी हो लेकिन इससे घटना की गंभीरता कम नहीं हो जाएगी। इस तरह घटनाओं पर सख्त कारवाई होनी चाहिए ताकि दुबारा ऐसा न हो।

जिस देश में गुरु गोविद दो खड़े काके लागें पांव, गुरु बलिहारी आपनों गोविंद दिओ बताए, जैसे दोहों से गुरु को ईश्वर के समकक्ष रखा जाता है वहां पर एक शिक्षिका के कृत्य ने गुरु के सम्मान व गरिमा को ठेस पहुंचाया है। उन्होंने एक शर्मनाक व बच्चों को प्रभावित करने वाला कृत्य किया है। ऐसे लोगों के उपर सख्त कार्यवाही आवयक है। दरअसल, यूपी के मुजफ्फरनगर के प्राइवेट स्कूल में टीचर के सामने बच्चे की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। होमवर्क नहीं करने पर बच्चे को ऐसी सजा का हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। मामले की जांच के बाद परिणाम भले ही जो भी हो लेकिन इससे घटना की गंभीरता कम नहीं हो जाएगी। इस तरह घटनाओं पर सख्त कारवाई होनी चाहिए ताकि दुबारा ऐसा न हो।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित एक प्राइवेट स्कूल में टीचर का बच्चे को सहपाठियों के हाथों पिटवाने वाला विडियो किसी को भी परेशान कर सकता है। होमवर्क करके न आने पर बच्चे को क्लास में इस तरह से सजा दी जाए, यह हमारी शिक्षा व्यवस्था के मौजूदा हालात पर गंभीर सवाल खड़े करता है। संबंधित शिक्षिका ने कहा है कि विडियो के साथ छेड़छाड़ हुई है, लेकिन उनके स्पष्टीकरण को ज्यों का त्यों सच मान लेने से भी घटना की गंभीरता कम नहीं होती। विडियो वायरल होने के बाद राज्य प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस मामले में कार्रवाई की है। न केवल शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है बल्कि स्कूल मैनेजमेंट को भी नोटिस जारी कर पूछा गया है कि क्यों न स्कूल की मान्यता निरस्त कर दी जाए। इन कदमों का क्या नतीजा निकलता है यह जांच प्रक्रिया या से जुड़ा सवाल है, लेकिन इस तरह का मामला सामने आना ही यह स्पष्ट कर देता है कि आज के हमारे समाज में कुछ ऐसी बुनियादी गड़बड़ियां हैं, जिन्हें दूर करना होगा। यह गड़बड़ी किसी एक टीचर या किसी खास स्कूल तक सीमित नहीं है। मुजफ्फरनगर की घटना में पीड़ित बच्चे का अल्पसंख्यक समुदाय से होना निर्णायक रहा या नहीं इसे लेकर विवाद हो सकता है, लेकिन विडियो में टीचर जिस तरह की बातें कहती नजर आ रही हैं वे अगर सच हैं तो इससे उनका पूर्वाग्रह तो सामने आता ही है। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह विडियो सोशल मीडिया पर आया और फैलता चला गया। निश्चित रूप से इसने लोगों की संवेदना को झकझोरा, तभी यह वायरल भी होता गया, लेकिन इस क्रम में यह लोगों को अविश्वसनीय नहीं लगा। निंदा सबने की, लेकिन किसी को यह महसूस नहीं हुआ कि आज के भारत में ऐसा नहीं हो सकता। ऐसी घटनाएं कानून के बल पर नहीं सामाजिक चेतना से रोके जा सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दवाओं का उत्पादन कुटीर उद्योग जैसा न हो

राकेश कोछड़

इस माह के शुरू में, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने एक अधिसूचना के माध्यम से पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर (आरएमपी) के लिए दिशा-निर्देश 2023 जारी किए थे। इसमें रोगी, जनता और अपने सहयोगियों के प्रति एक आरएमपी का कर्तव्य और उत्तरदायित्व बताए जाने के अलावा, अपने कौशल में बढ़ोतरी हेतु समय-समय पर व्यावसायिक कौशल विकास कार्यक्रमों में भाग लेने की सलाह थी, रोगियों को आकर्षित करने और इसके लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की मनाही थी। निर्देशों में यह भी कहा गया था कि आरएमपी रोगी-पर्ची पर केवल जेनेरिक दवाओं के नाम ही लिखेंगे और इसका उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई होगी, जिसमें चिकित्सा लाइसेंस तक रद्द हो सकता है। हालांकि चिकित्सकों के अखिल भारतीय संघ (आईएमए) के विरोध के बाद ये निर्देश फिलहाल स्थगित किये जा चुके हैं।

सरकार के आर्थिक सर्वे के अनुसार, विश्व के कुल दवा उत्पादन में 20 फीसदी अंश के साथ भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्माता है। करीब 200 से अधिक मुल्कों को 50 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य की दवाएं निर्यात होती हैं और सभी प्रकार के वैक्सीनों की 60 फीसदी भारत में तैयार होती हैं। अमेरिका से इतर भारत में एफडीए मानकों के अनुरूप दवाएं बनाने वाली दवा उत्पादन इकाइयां सबसे अधिक हैं। तभी तो भारत को 'दुनिया का दवाखाना' कहा जाता है। भारत ने अपने बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए सकल घरेलू उत्पाद का 1.5 फीसदी खर्च का प्रावधान किया है। गैर-सरकारी इलाज के लिए लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। किसी के कर्जाई होने के पीछे इलाज पर होने वाले व्यय एक बड़ा कारण है। इसलिए पूछना तार्किक है कि चिकित्सकों से केवल जेनेरिक दवाओं के नाम लिखने के फरमान से उपजी उनकी चिंता क्या जायज है?

नई खोज से या मिश्रणों से दवा बनाने वाली कंपनी के पास उसके मूल फार्मूले का पेटेंट अलग-अलग अवधि के सालों तक रहता है और बिक्री पेटेंटेड या फिर प्रोप्राइटरी दवा के तौर पर होती है। इस दौरान यह दवा महंगी होती हैं क्योंकि इसकी खोज-अनुसंधान पर आया खर्च, क्लिनिकल टेस्ट, बिक्री-उपरांत सर्वे इत्यादि पर हुआ व्यय निकालना होता है। पेटेंट अवधि के खत्म होने के बाद, उस दवा को अलग-अलग कंपनियां बना सकती हैं और इन्हें

जेनेरिक दवाएं कहा जाता है, यह सस्ती इसलिए होती हैं क्योंकि मूल दवा बनाने पर आयी तमाम लागत बच जाती है। जेनेरिक दवाएं या तो ब्रांडेड हो सकती हैं या फिर अनब्रांडेड। रोगी-पर्ची पर किसी दवा का नाम लिखते समय आपस में जुड़े यह दोनों बिंदु मौजूद होते हैं। पहला, यह कौन तय करेगा कि किसी खास उत्पादक द्वारा बनाई दवा ही इस्तेमाल करनी है और दूसरा, रोग को ठीक करने में दवा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता कितनी है। चिकित्सकों का अखिल भारतीय संघ (आईएमए) ने जेनेरिक दवाओं के नाम लिखने को अनिवार्य बनाने वाली धारा का विरोध किया और मांग की कि सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखने के फरमान पर अमल करने से पहले दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली अभेद व्यवस्था बनाई जाये। इस ओर ध्यान दिलाया गया कि वर्तमान व्यवस्था में सरकार किसी एक दवा के लिए विभिन्न दवा उत्पादकों को अनुमति देती है। नतीजतन, आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कुछ दवाओं के सैकड़ों ब्रांड मिल जाते हैं। इनमें कुछ लघु इकाइयों में बनती हैं जिनकी गुणवत्ता संदिग्ध है। उदाहरणार्थ, पेंटो एक दवा बनाने वाली 250 से अधिक कंपनियां हैं तो 150 के ज्यादा उत्पादनकर्ता एमै उत्पादन बना रहे हैं। शायद और भी हों, क्योंकि काफी कंपनियों का नाम इंटरनेट सर्च सूची में दिखाई नहीं देता। कायदे से इनमें 0.1 फीसदी से भी कम दवाओं का गुणवत्ता परीक्षण देश में हुआ होगा। चिकित्सक संघ का कहना था कि यदि एनएमसी चाहती है कि केवल जेनेरिक दवाओं का ही इस्तेमाल हो, तब तो सरकार दवा बनाने वालों को बगैर ब्रांड नाम वाली दवा बनाने का लाइसेंस सीधे दे दिया करे।

वर्तमान में चिकित्सक अपने अनुभव से एक खास ब्रांड की दवा प्रभावशीलता पाने के बाद लिखते हैं। यदि केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखेंगे तो यह कैमिस्ट पर निर्भर होगा कि वह अपने पास उपलब्ध जेनेरिक दवाओं में किसको बेचना चाहेगा। इस सूरत में जिम्मेवारी कैमिस्ट पर आ जाएगी, जो किसी दवा को विशुद्ध प्रभावशीलता के आधार पर नहीं बल्कि कतिपय कारणों से बेचना चाहेगा, मसलन, कितना मुनाफा बनेगा। एनएमसी की एक सिफारिश यह भी है कि दवाएं जन औषधि स्टोर से खरीदी जाएं, जिनके पास अक्सर बहुत किस्म की दवाएं नहीं मिलतीं। मुख्य दवा उत्पादन कंपनियां जेनेरिक दवाएं वैसे भी नहीं बनाती।

अनुभूतियों से सराबोर चिट्ठियों की सोंधी महक

दीपिका अरोड़ा

पारंपरिक भावाभिव्यक्ति विधा द्वारा रिश्तों में आत्मीयता-बोध करवाने के उद्देश्य से हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने मिशन 'निपुण' के अंतर्गत एक उत्कृष्ट पहल का बीड़ा उठाया है। अभियान का केंद्रीय विषय जहां भावी पीढ़ी को पत्र लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित करवाना है, वहीं रिश्तों के महत्व का अहसास दिलाना भी है। इसी के दृष्टिगत, सरकारी विद्यालयों में कक्षा तीन से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में अपने भाई-बहनों को पत्र लिखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। लगभग छह लाख पत्र लिखवाने के विभागीय लक्ष्य में, पत्र लिखने संबंधी संख्या निर्धारित करने एवं लेखन अभ्यास में बतौर सहायक परिवारजनों का विशेष योगदान रहेगा। अभिभावकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पोस्टकार्ड खरीदने से पोस्ट करने तक की समूची प्रक्रिया के दौरान बच्चे पोस्ट ऑफिस में उनके साथ मौजूद रहें ताकि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान मिल सके।

रफ्तार के युग से कदमताल मिलाती वर्तमान पीढ़ी के लिए भले ही अनौपचारिक पत्राचार आश्चर्य का विषय हो किंतु देश में आज भी ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो पत्र लेखन विधा के खासे मुरीद हैं। उनमें से बहुतेरों ने समय का वह स्वर्णिम दौर देखा है, जब साइकिल की घंटी टनटनाते हुए डाकिए का पधारना किसी आत्मीय के शुभागमन से कम सुखद नहीं जान पड़ता था। दूर-दराज बैठे संबंधियों का कुशल-क्षेम जानकर भावातिरेक में नयन सहसा ही छलक उठते। आत्मग्लानि के बोध में भीगी पाती अंतर में उलझी सभी गांठें खोल डालती। हल्दी-रोली से अलंकृत चिट्ठियां दूर ही से 'सर्वमंगलम्' का पूर्वाभास करा जातीं तो संक्षिप्त शब्दों में सिमटे तार होनी-अनहोनी की आशंका में कुलबुलाते हृदय धड़का जाते। समाचार कैसा भी हो; जुड़ाव का सर्वाधिक सरल, सुलभ एवं सशक्त माध्यम पत्र ही थे। यद्यपि तकनीकी प्रगति ने पत्राचार को काफी हद तक प्रभावित किया तथापि भाव-प्रकाट्य के दृष्टिकोण से पत्राचार का महत्व आंकें तो प्रासंगिकता आज भी पूर्ववत ही जान पड़ेगी।

दरअसल, पत्र लेखन साहित्य की वह महत्वपूर्ण विधा है, जिसके द्वारा स्वभावत: अंतर्मुखी व्यक्ति भी निज हृदयोदगार सहजता से दूसरों तक सम्प्रेषित कर सकता है। व्यावहारिक जीवन में इसे सेतु की संज्ञा दे सकते हैं, जिसके माध्यम से मानवीय संबंधों की परस्परता पल्लवित होती है। एक ऐसा माध्यम, जो दूरस्थ व्यक्तियों को भी भावनात्मक संगमस्थल पर निकटतम ला खड़ा करे। एक अंग्रेजी विद्वान के अनुसार, 'जिस प्रकार कुंजियां बक्सा खोलती हैं, उसी प्रकार पत्र हृदय के विभिन्न पटल खोलते हैं।' पत्र लेखन अपने आप में एक प्रकार की कलात्मक अभिव्यक्ति है, जो व्यावसायिक पत्रों की अपेक्षा सामाजिक पत्रों में अधिक होती है। मानवीय विचारों के संप्रेषण में आज भी पत्राचार सशक्त भूमिका का निर्वाह करता है। शब्दों रूपी दर्पण से न केवल लेखक की व्यक्तिगत भावनाएं झलकती हैं अपितु उसका समूचा व्यक्तित्व ही प्रतिबिम्बित हो उठता है। संभवत: इसी कारण आधुनिक युग में पत्र लेखन को 'कला' की संज्ञा दी गई है। इनके माध्यम से होने वाली कलात्मक अभिव्यक्तियों को आधुनिक साहित्य में गौरवपूर्ण स्थान प्रदान किया गया।

भले ही तकनीकी सुलभता के चलते आज हम पलक झपकते ही अपना संदेश लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंचा सकने का सामर्थ्य रखते हैं किंतु निश्छल भावों व स्वाभाविक विचारों का आदान-प्रदान स्वलिखित पत्रों द्वारा ही संभव हो पाता है। शाब्दिक सामीप्य की अनुभूति सीधे अंतर्मन में प्रविष्ट होकर अलसाई संवेदनाओं को नवस्फूर्त बना डालती है, यांत्रिक कृत्रिमता में अपनत्व के सोंधेपन की महक कहां? कदाचित भावनाएं प्रबल हों किंतु स्वभाव संकोची हो तो सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करने में पत्राचार से बड़ा सहोदर शायद ही कोई बने! कभी-कभार कोई पत्र भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बन जाता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1928 में जेल प्रवास के दौरान बेटी इंदिरा को लिखे पत्र सभ्यता, मजहब तथा भारतीय संस्कृति की सर्वाधिक सुंदर परिभाषा हैं। 'लेटर फ्रॉम फादर टू हिज डॉटर' नाम से संकलित इन पत्रों ने पिता-पुत्री के मध्य भावनात्मक जुड़ाव को इतना सशक्त कर दिया कि भविष्य ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को एक 'आयरन लेडी' देने की ठान ली। दूर रहकर भी आत्मीय संवाद बनाए रखने वाले पिता की भूमिका में लिखा प्रत्येक पत्र संस्कार-सीख की अनुकरणीय पूंजी है, जिसने किशोर इंदु के मन में सांस्कृतिक पहलुओं की बृहद एवं सर्वसांझी सोच विकसित की। उत्कंठित हृदय में राजनीतिक कौशल का बीजारोपण किया, सामाजिक उत्थान को संवर्धित करने का हुनर सिखाया।

लुप्तप्राय स्थिति से जूझती पत्र लेखन विधा एवं शुष्कप्राय पड़ते रिश्तों को संपुष्ट करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह प्रशंसनीय अभियान जहां बच्चों को आधुनिक तकनीक के साथ-साथ पुरातन परंपराओं से जोड़े रखेगा, वहीं मृतप्राय बनते सामाजिक संबंधों को संजीवित करने में भी प्रभावशाली सिद्ध होगा। लेखन अभ्यास की सतत् प्रक्रिया वर्तनी व भाषा प्रयोग में वांछित सुधार लाते हुए भविष्य में अनेक साहित्यिक प्रतिभाओं को भी जन्म देगी। पारंपरिक अनुभूतियों से सराबोर पाती यदि समाज की भौतिकतावादी सोच को सारगर्भित दिशा दे पाए तो सामाजिक स्तर पर अशक्त होते संबंधों को कभी-कभार शाब्दिक घुट्टी पिलाने में हर्ज ही क्या है?

रक्षाबंधन पर घरवालों का जीतना है दिल तो बनाएं पिस्ता कुल्फी

रक्षाबंधन का त्योहार हर किसी के लिए बेहद खास होता है। इस दिन बहनें अपनी भाईयों को खुशी-खुशी राखी बांधती हैं और उन्हें उसके बदले में रक्षा के वचन के साथ-साथ कई तोहफे मिलते हैं। इस दिन को और खास बनाने के लिए लोग अपने घरों में कई तरह के पकवान बनाते हैं। खुशियों के इस त्योहार को सेलिब्रेट करने के लिए लोग बाजार से मिठाईयां लाते हैं। बहुत से लोगों को ज्यादा मिठाईयां नहीं पसंद तो वो आइसक्रीम लाते हैं। बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम में कई तरह के केमिकल मिले होते हैं। घर पर ही मजेदार पिस्ता कुल्फी बनाना बेहद आसान है। अगर आप घर पर पिस्ता कुल्फी तैयार करेंगे तो इसे खाकर हर कोई खुश हो जाएगा।

सामग्री

दूध फुल क्रीम 1 लीटर
चीनी आधा कप
केसर एक छोटा चम्मच
हरी इलायची चार से पांच
बादाम 10 से 15
पिस्ता कटे हुए 3 बड़े चम्मच।

विधि

कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक लीटर दूध को एक बर्तन में डालकर उबाल लें। इसे तब तक उबालना है, जब तक ये आधा ना हो जाए। जब ये गाढ़ा हो जाएगा तो इसका रंग बदलना शुरू हो जाएगा। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें चीनी और केसर के धागे डालकर 4 से 5 मिनट के लिए चलाएं। दूध लगातार चलाने के बाद इसमें हरी इलायची का पाउडर डालकर गैस बंद कर दें। इसी दौरान कटे हुए पिस्ता दूध में डालें। अगर आप कुल्फी में मेवे डालना चाहते हैं तो दूध में अब कटे हुए मेवे डाल दें। इसके बाद दूध को ठंडा करके इसे कुल्फी के सांचे में डाल दें। अब सही तरह से सांचे को फ्रिज में जमने के लिए रख दें। 4 से 5 घंटे जमने देने के बाद कुल्फी को चेक करें। जब ये अच्छे से जम जाए तो इसे निकाल कर परोसें। आप चाहें तो कुल्फी के ऊपर पिस्ता रखकर उसे सजा सकते हैं।

भैया को करना है खुश तो बनाएं गुलाब जामुन

त्योहार कोई सा भी हो, उसके आने के कई दिन पहले से ही बाजारों में रौनक दिखने लगती है। हर त्योहार से पहले महिलाएं जमकर खरीदारी करने बाजार पहुंचती हैं। अगर बात करें इस महीने के त्योहार की तो अगस्त के अंत में रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है। राखी के इस त्योहार पर लड़कियां अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। ये काफी पावन त्योहार माना जाता है। ऐसे में इस दिन सभी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। खाने के साथ-साथ महिलाएं अपने घरवालों और खासतौर पर भाई के लिए मिठाई तैयार करती हैं। ऐसी मिठाई जिसे खाना हर किसी को पसंद आता है। इसके साथ ही इसे बनाना काफी आसान है। हम बात कर रह रहे हैं गुलाब जामुन की, इसे आप आसानी से अपने घर पर बना सकती हैं।

सामग्री

खोया यानी मावा- 1 कप
चीनी-4 कप
इलायची-3-4
पानी-3 कप
बेकिंग सोडा-1 चुटकी
ड्राई फ्रूट्स- जरूरत के मुताबिक
घी-2 कप

विधि

अगर आप घर पर गुलाब जामुन बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले मावे को अच्छे से मैश कर लें। इस मैश किए हुए मावे में बेकिंग सोडा मिलाकर एक डो तैयार करें। इसके बाद इस डो को मुलायम करने के लिए दो बूंद घी डालें। डो तैयार करते वक्त ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा टाइट ना हो। इसके बाद अब इस डो से अपने हिसाब से गुलाब जामुन तैयार कर लें। अब कढ़ाई में घी डालें और उसे सही से गर्म करें। एक बार घी को सही से गर्म करके गैस धीमी कर दें और गुलाब जामुन को इसमें डाल दें। जब ये तैयार हो रहे हैं, तब तक गुलाब जामुन की चाशनी तैयार करें। चाशनी तैयार करने के लिए पानी और चीनी को मिलाकर पकाएं। खूशबू के लिए इसमें इलायची पाउडर डाल दें। जब गुलाब जामुन सही से सुनहरे हो जाएं तो इसे निकालकर चाशनी में डाल दें। कुछ समय बाद गुलाब जामुन को चाशनी से निकालकर इस पर मेवे डालें और गर्मागर्म ही परोसें।

हंसना मना है

रमेश - आपके बेटे की शादी तो तय हो हुई थी, फिर टूट कैसे गई? घनश्याम - क्या बताएं, लड़का तो इंजीनियर है, लेकिन उसने फेसबुक पर डाल दिया था, मैं भी चौकीदार।

बच्चा- नहीं बताऊंगा, टीचर- चाटा मारते हुए जल्दी बता क्यों नहीं आया, बच्चा- वेलेंटाइन डे पर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ था, टीचर- तेरी गर्लफ्रेंड कौन है, बच्चा- डरता हुआ आपकी बेटी, टीचर- बेहोश।

पापा- बेटा जरा अपना मोबाइल देना बेटा- एक मिनट पापा ऑन करके देता हूं पापा लो ऑन हो गया, पापा- अरे नहीं बस मुझे टाइम बता दे।

डॉक्टर - रोजाना स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम किया करो, संटू - जी मैं रोजाना क्रिकेट खेलता हूं और फुटबॉल भी डॉक्टर - कितनी देर तक रोजाना खेलते हो? संटू - जब तक फोन की बैट्री खत्म नहीं हो जाती...

मम्मी- बेटा तू बाल क्यों नहीं कटवाता है, बेटा- मम्मी फैशन है, मम्मी- नायालक तेरी बहन को देखने आए थे, तुझे पसंद करके चले गए।

कहानी

दिखावटीपन से बचें

एक बार की बात है कि एक व्यक्ति को किसी बड़े पद पर नौकरी मिल गयी। वह इस नौकरी से खुद को और बड़ा समझने लगा, लेकिन वह कभी भी खुद को बड़े पद के मुताबिक़ नहीं ढाल सका। एक दिन वह अपने ऑफिस में बैठा था, तभी बाहर से उसके दरवाजे को खटखटाने की आवाज आई। खुद को बहुत व्यस्त दिखाने के लिए उसने टेबल पर रखे टेलीफोन को उठा लिया और जो व्यक्ति दरवाजे के बाहर खड़ा था उसे अन्दर आने के लिए कहा। वह अन्दर आकर इंतजार करने लगा, इस बीच कुर्सी पर बैठा अधिकारी फोन पर चिल्ला-चिल्ला कर बात कर रहा था। बीच-बीच में वह फोन पर कहता, कि मुझे वह काम जल्दी करके देना, टेलीफोन पर अपनी बातों को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा था। ऐसे ही कुछ मिनट तक बात करने के बाद उस आदमी ने फोन रखा और सामने वाले व्यक्ति से उसके ऑफिस आने की वजह पूछी। उस आदमी ने अधिकारी को जवाब देते हुए कहा, सर, मुझे बताया गया था कि 3 दिनों से आपके इस ऑफिस का टेलीफोन खराब है और मैं इस टेलीफोन को ठीक करने के लिए आया हूं।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें दिखावे से बचना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आपका दूसरों पर बुरा असर होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

वृषभ
पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन
वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा।

कर्क
आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह
मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा।

कन्या
काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

तुला
आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक
व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु
सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

मकर
किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी।

कुम्भ
ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा।

मीन
किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

जाह्नवी कपूर ने डेटिंग पर सुनायी खरी-खरी

जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की चुलबुली और शांत मिजाज की एक्ट्रेस हैं जो खुलकर अपनी राय जाहिर करने में यकीन करती हैं। वे फिल्मों के अलावा अपने अफेयर के चलते सुर्खियों में रहती हैं। टिंडर के स्वाइप राइड के नवीनतम एपिसोड में जाह्नवी ने कहा, अपने-आप से प्यार करना, यह जानना है कि आप अधिक योग्य हैं और किसी ऐसे व्यक्ति के लिए समझौता न करें जो इसे ऐसे नहीं देखता या समझता।

जाह्नवी आगे कहती हैं, सुंदरता सभी आकारों में आती है और खुशी अपने हर हिस्से को प्यार करने से शुरू होती है। एक मॉडर्न महिला के रूप में मैंने सीखा है कि हाई स्टैंडर्ड का होना नखरेबाजी नहीं है। यह स्वयं को इतना महत्व देना है कि आप जान सकें कि आप किस योग्य हैं। जाह्नवी ने आगे कहा कि जब डेटिंग की बात आती है, तो ईमानदारी ही सब कुछ है। कोई खेल नहीं, सिर्फ वास्तविक संबंध होना चहिए। टिंडर की स्वाइप राइड का यह एपिसोड यह याद दिलाता है कि एक ऐसी दुनिया है, जो लेबल से प्यार करती है, लेकिन इसमें आपके मूल्य, आपका शरीर और आपके नियम मायने रखते हैं। आप एक ऐसे रिश्ते के हकदार हैं, जिसमें आपको लोग वैसे ही प्यार करें, जैसे आप हैं।

जाह्नवी ने बातचीत के दौरान बताया कि कैसे महिलाओं को अक्सर यह महसूस कराया जाता है कि वे संपूर्ण नहीं हैं, या ब्यूटी स्टैंडर्ड को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपनी त्वचा के प्रति आश्वास्त रहना और कम पर समझौता करने से इनकार करना आत्म-प्रेम और स्वस्थ रिश्ते को बढ़ावा देने की कुंजी है। यह भावना भारत में डेटिंग करने वाली 86 प्रतिशत महिलाओं के साथ मेल खाती है, जो कहती हैं कि डेटिंग करते समय खुद को प्राथमिकता देना सही है।

जाह्नवी ने कहा कि जब डेटिंग की बात आती है तो आज युवा महिलाएं इस बारे में स्पष्ट रूप से सोचती हैं कि उन्हें क्या चाहिए। लोकप्रिय लेखिका सुप्रिया जोशी के साथ फिल्म निर्देशक डेबी राव द्वारा सह-निर्मित स्वाइप राइड सीरीज उन महिलाओं को एक-साथ लाने का प्लेटफार्म है जो अपने फैसले खुद लेना पसंद करती हैं, चाहे वह उनके करियर में हो, या उनके डेटिंग जीवन में।

नए अवतार में दर्शकों का दिल जीतने को तैयार करीना कपूर

करीना कपूर खान डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वह फिल्म जाने जान में नजर आएंगी। यह फिल्म 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें करीना के साथ जयदीप अहलावत और विजय वर्मा भी हैं।सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित यह फिल्म डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स पर आधारित है। वीडियो आपको जाने जान की दुनिया में ले जाता है जो सुजॉय घोष की सिग्नेचर क्राइम थ्रिलर निर्देशन शैली को प्रदर्शित करता है, जिसमें करीना बिल्कुल नए लुक दिख रही है। उन्होंने एक मां की भूमिका निभाई है। इसमें जयदीप का लुक आपको हैरान कर देगा। इसमें विजय एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं।

जाने जान का फर्स्ट लुक हुआ जारी

यह फिल्म डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स का आधिकारिक है। सुजॉय ने शेयर किया फिल्म जाने जान उस किताब पर आधारित है, जो लंबे समय से मेरे जीवन का प्यार रही है। जिस दिन से मैंने डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स पढ़ा, मैं इसे एक फिल्म में रूपांतरित करना चाहता था।

21 सितंबर को रिलीज होगी यह फिल्म

उन्होंने कहा, यह मेरे द्वारा पढ़ी गई अब तक की सबसे अद्भुत प्रेम कहानी थी जो आज करीना, जयदीप और विजय की बदौलत पर्दे पर जीवंत है। इस कहानी को बताने के लिए हम सभी ने बहुत मेहनत की है और उम्मीद है कि दर्शक भी इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितना हम करते हैं। यह फिल्म 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बॉलीवुड | **मन की बात**

नेशनल अवॉर्ड न मिलने पर अनुपम खेर का छलका दर्द

हाल ही 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स अनाउंस किए गए, जिनमें विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स ने नेशनल इंटिग्रेशन पर बनी फिल्मों बेस्ट फीचर फिल्म का नरगिस दत्त अवॉर्ड जीता। विवेक अग्निहोत्री की खुशी का ठिकाना नहीं है। लेकिन फिल्म के लीड एक्टर अनुपम खेर को इस बात का दुख है कि उन्हें एक्टिंग के लिए अवॉर्ड नहीं मिला। हालांकि उन्होंने और विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताई। विवेक अग्निहोत्री ने इस अवॉर्ड को आतंकवाद के पीड़ितों को समर्पित किया। वहीं अनुपम खेर ने कहा कि उनकी एक्टिंग के लिए भी नेशनल अवॉर्ड मिलता तो अच्छा होता। 90s में कश्मीरी पंडितों के पलायन और उनके दर्द की कहानी बताती The Kashmir Files मार्च 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तो बमफाड़ कमाई की ही थी, देशभर में एक क्रांति सी छेड़ दी थी। sacnilk की रिपोर्ट के मुताबिक, द कश्मीर फाइल्स ने 33 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 250.06 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि इसका बजट 15-25 करोड़ रुपये था। लेकिन फिल्म को खूब तारीफें मिलीं तो साथ में कुछ लोगों ने इसे प्रोपेगैंडा फिल्म भी बताया। बावजूद इसके द कश्मीर फाइल्स अपने नाम का डंका बजवाने में कामयाब रही थी। फिल्म में Anupam Kher के अलावा पल्लवी जोशी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे एक्टर्स थे। अनुपम खेर ने द कश्मीर फाइल्स को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर ट्विटर पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, बहुत ही खुशी और गर्व कि बात है कि द कश्मीर फाइल्स ने नेशनल अवॉर्ड जीता। फिल्म को राष्ट्रीय एकता पर बेस्ट फीचर फिल्म के लिए नरगिस दत्त अवॉर्ड मिला। एक एक्टर ही नहीं बल्कि फिल्म के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर भी मैं इस फिल्म को मिली मान्यता से खुश हूं। तब और खुशी होती, अगर मुझे मेरी एक्टिंग के लिए भी अवॉर्ड मिलता। पर अगर सारी ख्वाहिशें पूरी हो जाएं तो आगे काम करने का मजा और उत्साह कैसे आएगा। चलिए! अगली बार।

393 फीट की ऊंचाई पर हवा में लटक रही है दुकान चाय पीने के लिए रस्सी के सहारे चढ़कर जाते हैं लोग

दुनिया में कई अनोखी जगहें हैं जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। अब इन दिनों एक अनोखी दुकान की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसने लोगों को हैरत में डाल दिया है। आपको मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ की ऊंची चोटियों तक दुकानें मिल जाएंगी। लेकिन क्या आप अभी तक कभी हवा में उड़ती हुई दुकान देखी है? अब इन दिनों सोशल मीडिया पर पहाड़ पर हवा में लटकी हुई है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसे कैसे हो सकता है? आपको यकीन भी नहीं हो रहा होगा, लेकिन तस्वीरों में आप खुद हवा में लटकती दुकान को देख सकते हैं। आपने अभी तक ऐसी दुकान नहीं देखी होगी। यह दुनिया की इकौलती दुकान है, जो पहाड़ों पर हवा में लटकी हुई है। दुनिया की यह अनोखी दुकान चीन में स्थित है। सबसे हैरान वाली बात यह है कि यह 393 फीट की ऊंचाई पर हवा में लटक रही है। दुकान पर चाय पीने के लिए रस्सी के सहारे चढ़कर जाते हैं और इस एडवेंचर का आनंद उठाते हैं। यह चीन के हुनान प्रांत के शिनिउझाई नेशनल जियोलॉजिकल पार्क में स्थित है। यहां पर एक पहाड़ के किनारे लकड़ी का एक छोटा बक्सा लटका है। दुनिया में इस दुकान को सबसे असुविधाजनक सुविधा स्टोर करार दिया गया है। शिनिउझाई नेशनल जियोलॉजिकल पार्क में पहा? के किनारे लकड़ी से बनी यह टंगी गुमटी देखने में बेहद छोटी लगेगी, लेकिन यह एक पूरी दुकान है। सोशल मीडिया पर वायरल दुकान की फोटो को देखकर लोगों के मन में एक ही सवाल है कि आखिर इसमें मिलता क्या होगा? इतनी ऊंचाई पर दुकान बनाने की वजह क्या है? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह उन पर्वतारोहियों को खाने-पीने की चीजें बेचता है, जिन्हें बीच रास्ते में विश्राम की आवश्यकता है। ट्विटर (X) पर इस फोटो को @gunsnrosesgirlx नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। अब इस तस्वीर ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। साल 2015 में इस ग्लास-बॉटम ब्रिज में खोला गया था। चीन का यह पहला इतनी ऊंचाई वाला ग्लास ब्रिज है। इसके अलावा सबसे बड़े स्पैन और सबसे ऊंचाई वाला ग्लास ब्रिज भी है।

अजब-गजब | **भारत की इस जनजाति से डरती है सरकार**

यहां उद्योगपति, सरकारी ऑफिसर पुलिस और आर्मी को भी नहीं है जाने की अनुमति

दुनियाभर में आज भी कई ऐसी जनजातियां है जिनके जीने का तौर-तरीका बेहद अलग और अजीबोगरीब है। इनके बारे में जानकर कई बार हैरानी भी होती है। आज हम आपको एक ऐसी ही जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया के सबसे पुराने जीवित आदिवासी कहलाते हैं। अंडमान द्वीप समूह का सेंटिनल द्वीप बेहद रहस्यमयी है, यहां पर जारवा नाम की जनजाति पाई जाती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां बाहरी लोगों को जाने की अनुमति नहीं होती है, क्योंकि यहां जाना जानलेवा साबित हो सकता है। इतना ही नहीं भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर यहां जाने पर पाबंदी लगाई हुई है।

जारवा आदिवासी सेंटिनल द्वीप और अंडमान के एक अन्य द्वीप ओंगे में रहते हैं। बताया जाता है कि अब जारवा जनजाति के करीब 400 लोग ही जीवित हैं। सेंटिनल द्वीप में रहने वाले जारवा आदिवासी को सेंटिनेलिस के नाम से भी जाना जाता है। जारवा जनजाति के लोग तीर-धनुष से सुअर, कछुआ और मछलियों का शिकार करके अपना पेट भरते हैं। साथ ही ये लोग फल, जड़ वाली सब्जियां

और शहद खाते हैं। खास बात ये है कि यह एकमात्र ऐसी जनजाति है, जिनके अंदरूनी मामलों में भारत सरकार भी दखल नहीं देती है। इतना ही नहीं इस जगह पर उद्योगपति, सरकारी ऑफिसर, पुलिस और आर्मी को भी जाने की अनुमति नहीं है। इसके पीछे का कारण ये बताया जाता है कि इस आइलैंड से वापस आना लगभग नामुमकिन है।

ये जनजाति बेहद खतरनाक है और इन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं कि कोई वहां आए। ये लोग बाहरी दुनिया से संपर्क रखना पसंद नहीं करते हैं। यदि इनका सामना किसी बाहरी इंसान से हो जाए तो ये हिंसक हो जाते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो साल 2004 में आई सुनामी के बाद अंडमान द्वीप पर भारी तबाही मची ऐसे में इस जनजाति का हाल जानने के लिए भारतीय तटरक्षक दल ने वहां जाने का फैसला किया, लेकिन इन लोगों ने आग के तीर चलाकर हेलिकॉप्टरों में आग लगा दी। इसके बाद वहां जाने की कोशिश बंद कर दी गई। साल 2006 में गलती से कुछ मछुआरे इस द्वीप पर पहुंच गए थे, जो उनके लिए काफी बुरा साबित हुआ। इस जनजाति के लोगों ने उनको जिंदा नहीं छोड़ा।

ये खतरनाक द्वीप भारत का हिस्सा है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य आज भी बरकरार हैं। कहा जाता है कि इस जनजाति का अस्तित्व 60 हजार साल पुराना है। इनके रिति-रिवाज, बोलचाल और रहन-सहन के बारे में अधिक जानकारी नहीं है।

पीएम दलितों के अन्याय पर चूं तक नहीं करते : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सागर। मध्य प्रदेश में फिा एकबार दलित के साथ अत्याचार को मामला गरमा गया है। कांग्रेस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए शिवराज सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मध्यप्रदेश के सागर में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। गुंडों ने उसकी मां को भी नहीं बख्शा।

सागर में संत रविदास मंदिर बनवाने का ढोंग रचने वाले प्रधानमंत्री मध्यप्रदेश में लगातार होते दलित व आदिवासी उत्पीड़न एवं अन्याय पर चूं तक नहीं करते। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री केवल कैमरे के सामने वंचितों के पैर धोकर अपना गुनाह छुपाने की कोशिश करते हैं। खरगे ने आगे लिखा, भाजपा ने मध्यप्रदेश को दलित अत्याचार की प्रयोगशाला बना रखा है। भाजपा शासित मध्यप्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराधों का रेट सबसे ज्यादा है, राष्ट्रीय औसत से भी तीन गुना है। मोदी जी, इस बार मध्यप्रदेश की जनता भाजपा के झांसे में नहीं आने वाली है। समाज के वंचित व शोषित वर्ग को तड़पाने-तरसाने का जवाब आपको कुछ महीने बाद मिल जाएगा, भाजपा की विदाई निश्चित है।

बोले- पैर धोकर गुनाह छिपाते हैं शिवराज

कमलनाथ ने कमेटी बनाई

कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के द्वारा बनाई गई जांच कमेटी गांव पहुंची थी। टीम ने मृतक युवक के परिजनों से बातचीत की और पूरी घटना की जानकारी ली। कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कमलनाथ ने बहुत ही दर्दनाक और गंभीर घटनाक्रम को लेकर तत्काल प्रभाव से कमेटी का गठन किया है। चौधरी ने कहा कि खुरई ही नहीं पूरा जिला शर्मसार हुआ है, मध्यप्रदेश शर्मसार हुआ है। मुख्यमंत्री और यहां से जो मंत्री हैं, उन्होंने आज तक चुप्पी नहीं तोड़ी है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि हम बेटियों के मामा हैं। आज इस तरह से बेटी की लाज लूटने का काम हो रहा है और मामा चुप हैं। हम लोगों ने इस मामले को संवेदनशीलता से लिया है। यह रिपोर्ट हम लोग कमलनाथ को भेजेंगे।

संत रविदास के भक्तों पर हो रहा जुल्म : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि मध्यप्रदेश के सागर में जहां अभी हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने संतगुरु रविदास जी का स्मारक बनाने की नींव बड़े तामझाम से रखी, उसी क्षेत्र में उनके भक्तों के साथ जुल्म-ज्यादती चरम सीमा पर है, जो भाजपा और उनकी सरकार के दोहरे चरित्र का जीता-जागता प्रमाण है। मायावती ने आगे कहा, खुरई विधानसभा क्षेत्र में मंत्री के गुर्गे दलित लड़की के साथ छेड़छाड़ के बाद राजीनामा न करने पर युवक की पीट-कर हत्या कर देते हैं। मां को निर्वस्त्र कर हाथ तोड़ देते हैं, बहन के साथ मारपीट कर घर को ढहा देते हैं। ऐसा भयानक दृश्य भाजपा के शासन में हो रहा है। मायावती ने आगे लिखा कि इस प्रकार की वरूर जातिवादी घटनाओं की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। मध्यप्रदेश सरकार में ऐसी और भी जघन्य घटनाएं लगातार होती रही हैं, किंतु न तो भाजपा और न ही उनकी सरकार इसकी रोकथाम के लिए गंभीर नजर आती है, यह अति दुःखद, निंदनीय और चिंतनीय है।

आपसी विवाद है जातिगत झगड़ा नहीं : भूपेन्द्र सिंह

खुरई से विधायक और मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भूपेंद्र सिंह ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि घटना में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की गई है। कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने मायावती, खरगे और कमलनाथ के ट्वीट पर कहा कि यह कोई जातिगत उत्पीड़न नहीं है। कोई अत्याचार जैसी स्थिति नहीं थी। यह दो पक्षों का विवाद था। इसी विवाद में झगड़ा हुआ था और फिर यह घटना हुई। उन्होंने कांग्रेस समेत सवाल उठाने वाले नेता पर घटना पर राजनीति करने का आरोप लगाया। इस घटना से कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े होने को लेकर मंत्री ने कहा- क्या हुआ क्या नहीं यह तो जांच में साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दो पक्षों का विवाद है। जो पहले से ही कोर्ट में चल रहा था।

सांस का पैटर्न जांचने के बहाने बृजभूषण ने की थी छेड़छाड़

» अदालत में महिला पहलवानों ने किया खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के समक्ष छह महिला पहलवानों ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के तत्कालीन प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सांस लेने के पैटर्न की जांच करने के बहाने उनकी छाती को छुआ था। सभी महिला पहलवानों ने आरोपी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

महिला पहलवानों की और से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने दलील दी कि महिला पहलवानों के बयानों और दस्तावेजों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। सभी महिला शिकायतकर्ताओं ने आरोपी के रूप में बृजभूषण की ओर इशारा किया है। गवाहों के बयानों से उनके बयानों की पुष्टि हुई। बयान से यह स्थापित होता है कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत यौन उत्पीड़न का अपराध बनता है। दिल्ली पुलिस यौन उत्पीड़न के मामले में भाजपा सांसद के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर चुकी है। अब मामला आरोप तय करने के बहस के चरण में है। सभी छह महिलाओं ने अदालत को बताया कि आरोपी ने उनकी सांसों की जांच करने के बहाने उनकी टी-शर्ट में अपना हाथ डाला और उनकी सहमति के बिना उनके निजी अंगों को हाथ लगाया। उन्होंने तर्क दिया कि इन महिलाओं ने अपनी परेशानी के बारे में बात की थी। उन्होंने कभी भी पुरुष पहलवानों के साथ ऐसा नहीं किया। इससे आपराधिक बल और हमले की परिभाषा पूरी होती है। ब्रजभूषण न तो डॉक्टर हैं और न ही ऐसा करने के लिए अधिकृत।

पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर के नाम खुला पत्र, शिक्षिका पर कार्रवाई न होने से नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधिवक्ता व विधि मामलों के जानकार मो. हैदर ने पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर संजीव सुमन से वहां एक विद्यालय के शिक्षिका द्वारा छात्र को दूसरे छात्र द्वारा पिटाई करवाने के मामले में पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई करने लिए पत्र लिखा गया है।

हैदर ने लिखा मुजफ्फरनगर के थाना मंसूरपुर के क्षेत्रान्तर्गत नेहा पब्लिक स्कूल की प्राचार्य के द्वारा एक धर्म विशेष पर अभद्र आपत्तिजनक टिप्पणी कर (भडकाऊ भाषण देते हुए एक अवयस्क छात्र जिसकी आयु लगभग 7-8 वर्ष रही होगी, को उक्त कथित विद्यालय के शिक्षण का के अन्य छात्रों को उकसाकर/ भड़काकर को न केवल पिटवाया बल्कि धर्म विशेष के संबंध में अभद्र टिप्पणी कर लाखों लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया एवं पूरे विश्व पटल पर जनपद-मुजफ्फरनगर, हमारे प्रदेश एवं ग्र की छवि को धूमिल करने का कुत्सित प्रयास किया। एक वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते आपसे अपेक्षा है कि ऐसे संवेदनशील प्रकरण में आपके द्वारा अपनी परिवेक्षणीय शक्तियों का प्रयोग कर संबंधित प्रभारी निरीक्षक, थाना मसूरपुर को निर्देश देकर सुसंगत विधिक प्राविधानों के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। परन्तु ऐसा नही हुआ एवं समाचार पत्रों के समाचारों के अवलोकन से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि इस प्रकरण में असंज्ञेय अपराध के रूप में एक एनसीआरदर्ज की गई। जिसमें भी मात्र धारा 323 एवं 504 लिखकर प्रकरण की इतिश्री करने का प्रयास किया गया।

छात्र को छात्र से पिटवाने का मामला

अधिवक्ता व विधि मामलों के जानकार मो. हैदर

किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75. 83 (2) के तहत हो कार्रवाई

इस पूरे प्रकरण में एक अवयस्क बालक के अधिकार निहित है एवं जो आपराधिक कृत्य वीडियो पूरे विश्व पटल पर ट्विटर, फेसबुक, इंस्टग्राम एवं सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म पर उपलब्ध है, के परिशीलन मात्र से यह स्पष्ट होता है कि इसी कथित विद्यालय की शिक्षिका / प्राचार्या तृप्ता त्यागी के द्वारा अपने ही विद्यालय के छात्रों को उकसाकर / भड़काकर एक अवयस्क छात्र के साथ मारपीट कराई गई। निश्चित रूप से यह कृत्य किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75. 83(2) से आच्छादित है। उपरोक्त धाराओं के अतिरिक्त अन्यवस्तुषु भारतीय दण्ड संहिता की धारा 114 153 2057 298, 323, 504 एवं 506 भी इस पूरे प्रकरण में प्रसार्य है एवं इन्ही धाराओं में उक्त तृप्ता त्यागी तथा अन्य मुकदमा लिखा जाना चाहिए था, परन्तु हुआ इसके ठीक विपरीत यदि इस संवेदनशील प्रकरण में संबंधित प्रभारी निरीक्षक के द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर अथवा उक्त बालक के परिजनों से हल्की तहरीर लेकर उक्त एनासीत दर्ज की गई है तो उक्त एनसीआर की धाराओं में इन धाराओं को तरमीम कर उसकी विवेचना कराया जाना न्यायहित में अत्यंत आवश्यक है।

नीरज चोपड़ा ने फेंका 'स्वर्णिम' भाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुडापेस्ट। नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय हैं। नीरज की इस उपलब्धि पर पूरा देश खुशी से झूम रहा है। नीरज ने 88.17 मीटर दूर भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

उन्होंने बुडापेस्ट में आधी रात को स्वर्ण पदक जीता और देशवासियों को उनसे यही उम्मीद थी। इसी वजह से बड़ी संख्या में लोग नीरज को देखने के लिए रात में भी जगे हुए थे। नीरज ने पदक जीतने के बाद इन सभी लोगों का शुक्रिया भी अदा किया। वहीं, कई लोगों को अगले दिन सुबह यह खबर मिली और उनके दिन की स्वर्णिम शुरुआत हुई। यहां हम नीरज का वह थ्रो दिखा रहे हैं, जिसमें उन्होंने 88.17 मीटर की दूरी हासिल की और विश्व विजेता बने। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता में पाकिस्तान के अरशद नदीम दूसरे स्थान पर रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन अरशद नदीम ने 87.82 मीटर के साथ रजत पदक जीता, जबकि चेक गणराज्य के जैकब वडलेज ने 86.67 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

90 मीटर का आंकड़ा न छू पाने पर निराश

बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीतने के बावजूद नीरज थोड़े निराश लग रहे थे। उन्होंने कहा मैं आज रात 90 मीटर से अधिक थ्रो करना चाहता था। लेकिन इसके लिए सब कुछ मेरे पक्ष में होना जरूरी है। मैं आज शाम सब कुछ एक साथ सही नहीं कर सका। शायद अगली बार ऐसा कर पाऊं। दूसरे राउंड के बाद, मैं खुद को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहा था क्योंकि मुझे पता था कि मुझे बेहतर थ्रो मिल सकता है। लेकिन तकनीक और गति पर बहुत दबाव है। हमें क्वालिफाइंग राउंड में बहुत जोर लगाना होता है। क्वालिफाइंग राउंड के बाद रिकवरी के लिए केवल एक ही दिन था, इसलिए यह भी एक बड़ा कारक था। मैं आखिरी थ्रो तक खुद को आगे बढ़ाने और बेहतर थ्रो करने की प्रेरणा के साथ आगे बढ़ता हूं।

फोटो: सुमित कुमार

सावन के अंतिम सोमवार को हर-हर महादेव के जयकारे से वातावरण हुआ शिवमय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सावन के अंतिम सोमवार को मंदिरों में भारी भीड़ देखी गई। आज सोम प्रदोष का व्रत है। प्रदोष व्रत भगवान शिव को ही समर्पित है। सावन के सोमवार को यह व्रत पड़ने के कारण महत्व और भी बढ़ गया है। डालीगंज स्थित प्राचीन मनकामेश्वर महादेव मंदिर में भारी भीड़ रही। मंदिर को सुगंधित पुष्पों से सजाया गया है। भोर में पंचामृत स्नान के साथ ही मनकामेश्वर के पट आम भक्तों के लिए खोल दिए गए।

बस सबको एकजुट करने की मंशा : नीतीश कुमार

» इस बार की बैठक में 'इंडिया' में जुड़ेंगे और कई दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए की मुंबई में होने वाली बैठक से पहले विपक्षी एकता की पहल करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमको गठबंधन में कुछ नहीं बनना है। हम आपको बार-बार कह रहे हैं कि दूसरे लोगों को बनाया जाएगा। यह कहते हुए, वे अपने साथ खड़े डिप्टी सीएम को देखकर मुस्कुराते हैं। हम तो सबको एकजुट करने की पहल कर रहे हैं।

हम सबका हित चाहते हैं। हमको व्यक्तिगत कुछ भी नहीं चाहिए। बता दें कि इससे एक दिन पहले यानी रविवार को भी नीतीश ने मीडिया से बात करते हुए एक बार फिर दोहराया था कि वह सिर्फ सभी विपक्षी दलों को एकजुट करना चाहते हैं, उनकी और कोई मंशा नहीं है। नीतीश ने कहा था, मैं जा रहा हूं... मुझे व्यक्तिगत कुछ नहीं चाहिए, मैं बस सभी को एकजुट करना चाहता हूं। मैं जा रहा हूं, कुछ और पार्टियां भी शामिल होंगी।

कई पार्टियां होंगी शामिल

सीएम नीतीश ने मीडिया को जवाब देते हुए कहा, कि हम तो शुरू से ही बोलते आए, वो (विपक्ष) सब क्या बोलते हैं, उससे कोई मतलब नहीं। अब जा ही रहे हैं, उस दिन और भी कई पार्टियां शामिल हो रही हैं, तो सब मिलकर कौन-कौन कहां-कहां लड़ेगा, यह सब बात भी हम चाह रहे हैं कि जल्दी तय कर लें।

भाजपा की कई बातें हंसने वाली : तेजस्वी

बिहार भाजपा प्रमुख सम्राट चौधरी की कथित टिप्पणी भारत वास्तव में 1947 में नहीं बल्कि 1977 में जेपी आंदोलन के बाद आजाद हुआ के बारे में पूछे जाने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्हें कुछ भी बकवास करनी है। स्वतंत्रता दिवस हर कोई मनाता है।तेजस्वी ने पूछा कि अगर ऐसा है तो वे 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज क्यों फहराते हैं? तेजस्वी यादव ने कहा कि वे मुद्दे आधारित विषयों पर नहीं बोलते हैं। किसी न किसी तरीके से इतिहास को बदलने की कोशिश की जा रही है। उनका कोई मूल्य नहीं है। ये बात कोई सुनेगा तो हंसेगा।

रैंप के माध्यम से रेलवे प्लेटफार्म पर जाएंगे अमिताभ ठाकुर

» समानता के अधिकार की वजह से करेंगे ऐसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री की तरह वे भी कल 29 अगस्त को रैंप के माध्यम से सीधे अपनी गाड़ी चारबाग के रेलवे प्लेटफार्म पर ले जाएंगे।

उन्होंने इस संबंध में डीआरएम उत्तरी रेलवे लखनऊ को ईमेल भेज कर सूचित किया है कि वे कल प्रातः ट्रेन नंबर 13308 गंगा सतलज एक्सप्रेस से चारबाग स्टेशन से बाराबंकी जायेंगे। उन्होंने कहा कि सुबह उन्हे कुछ ऐसे काम हैं कि वे बिल्कुल 10:30 बजे ट्रेन के समय ही रेलवे स्टेशन पहुंच पाएंगे।

अनु-370 पर याचिका लगाने वाले शिक्षक को मिल सकती है राहत

सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से शिक्षक जहूर अहमद भट के निलंबन के मुद्दे पर गौर करने के लिए कहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर शिक्षा विभाग ने हाल ही में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में पेश होने के लिए श्रीनगर के एक शिक्षक को सेवा से निलंबित कर दिया था।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने शिक्षक के निलंबन पर ध्यान दिया। बता दें, पीठ में न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल थे।

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और राजीव धवन ने सुनवाई होते ही बताया कि सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दलील देने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने भट्ट को नौकरी से निलंबित कर दिया। सिब्बल ने कहा कि उन्होंने दो दिन की छुट्टी ली थी। वह अदालत के समक्ष पेश हुए और वापस चले गए। जब वह वापस लौटे तो उन्हें निलंबित कर दिया गया। इस पर पीठ ने वेंकटरमनी को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बात करने और इस मुद्दे पर गौर करने को कहा। पीठ ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। इस अदालत के समक्ष बहस करने वाले को निलंबित कैसे किया जा सकता है। इस पर वेंकटरमनी ने जवाब दिया कि वह इस मुद्दे को देखेंगे।

मेहता ने कहा कि भट्ट के निलंबन की जानकारी मिलने पर जांच की गई, जिसमें उन्हें बताया गया कि शिक्षक को निलंबित करने के पीछे कई कारण थे। उसमें एक कोर्ट में पेश होना भी है।

अदालत में पेश होने से पहले किया जाता निलंबित : सिब्बल

सिब्बल ने कहा कि अगर ऐसा था तो उन्हें पहले निलंबित कर दिया जाता, अदालत में पेश होने के बाद ऐसा आदेश क्यों दिया गया। सिब्बल ने कहा कि शिक्षक को सिर्फ इसलिए निलंबित किया गया क्योंकि वह कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि यह उचित नहीं है। इस तरह लोकतंत्र को काम नहीं करना चाहिए। पीठ ने कहा कि अगर अन्य कारण हैं तो यह अलग बात है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति इस अदालत के समक्ष दलील रखने के कारण निलंबित किया जाता है, तो इस पर गौर करने की जरूरत है। वहीं, मेहता ने कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि समय उपयुक्त नहीं था और वह इस पर गौर करेंगे।

हिंदू नाम का कोई धर्म नहीं, केवल धोखा है : मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य एक बाद फिर विवादित बयान के चलते सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर फिर से विवादित बयान दिया है। जो इंटरनेट मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वहीं बयान को लेकर लोग अलग-अलग तरीके से अपना पक्ष रख रहे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ब्राह्मणवाद की जड़े बहुत गहरी हैं और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं, हिंदू धर्म केवल धोखा है। उन्होंने कहा कि सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर के इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है।

प्रज्ञान ने 100 मिलीमीटर के क्रेटर को किया पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। चंद्रयान-3 मिशन सही ट्रैक पर है। इसरो के अनुसार, प्रज्ञान रोवर ने चांद पर पहली बाधा पार कर ली है। रोवर ने करीब 100 मिलीमीटर के क्रेटर को क्रॉस किया। चंद्रयान-3 मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी वीरमुथुवेल ने बताया कि प्रज्ञान को अभी चांद पर कई चुनौतियों का सामना करना है। इसरो ने रविवार को विक्रम लैंडर पर लगे चास्टे मॉड्यूल का डेटा रिलीज किया है।

इसने चांद की सतह और गहराई में जाने पर तापमान में अंतर समझाया। पता चला कि चांद की सतह का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस है। 8 मी.मी गहराई में जाने पर तापमान -10 डिग्री तक गिर जाता है। वहीं, इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा कि चांद की वैसी तस्वीर किसी के पास नहीं, जो हमारे पास है। उन्होंने चेताया कि जरा सी चूक से मिशन फेल हो सकता है। इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम शिवशक्ति रखे जाने में कोई बुराई नहीं देखी।चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान ने 100 मी.मीका क्रेटर पार किया। ऐसा होते ही बेंगलुरु स्थित इसरो कंट्रोल रूम में बैठे वैज्ञानिकों ने राहत की सांस ली। अभी रोवर को कई चुनौतियों से निपटना है। विस्तार से प्रज्ञान रोवर की पहली सफलता के बारे में पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें?

चंद्रयान-3 मिशन सही ट्रैक पर

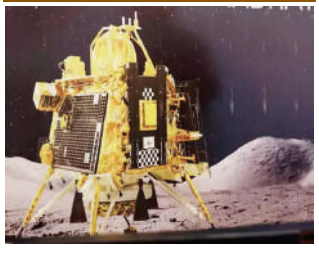

धरती पर 2-3 डिग्री गिरता है पारा, चांद पर 50 डिग्री

चांद के साउथ पोल पर तापमान में काफी विविधता है। स्पेस एजेंसी इसरो ने रविवार को इसका एक ग्राफ जारी किया। इसके मुताबिक सतह पर अधिकतम तापमान करीब 70 डिग्री सेल्सियस है, जबकि मात्र 80 मिमी की गहराई में तापमान -10 डिग्री है। तापमान में इतनी विविधता देख वैज्ञानिक भी हैरान हैं। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे पेलोड चास्टे (चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट) ने चांद की सतह के थर्मल बिहेवियर को समझने के लिए साउथ पोल के आसपास मिट्टी का तापमान मापकर अपना पहला ऑब्जर्वेशन भेजा है।

पॉइंट के नाम पर विवाद नहीं : इसरो चीफ

इसरो चीफ एस.सोमनाथ ने रविवार को कहा कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम शिव-शक्ति रखने को लेकर कोई विवाद नहीं है। देश को उस जगह का नाम रखने का अधिकार है। कई दूसरे देशों ने चंद्रमा पर अपना नाम रखा है। यह हमेशा उस देश का विशेष अधिकार रहा है। यह एक परंपरा रही है। एक दिन पहले ही पीएम मोदी ने लैंडिंग पॉइंट का नाम शिव-शक्ति रखा था। सोमनाथ ने यह भी कहा कि हम यहां नहीं रुकने वाले हैं। भारत मंगल और शुक्र ग्रह की यात्रा करने की क्षमता रखता है। बस हमें आत्मविश्वास बढ़ाने और ज्यादा निवेश की जरूरत है। सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर बहुत सही हालत में हैं और उन पर मौजूद सभी पांच उपकरणों को चालू कर दिया गया है। वह डेटा भेज रहे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।